RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अप्रैल से जून 2024)

हमारी विरासत

अजमेर दरगाह शरीफ

अजमेर दरगाह शरीफ को भारत के सबसे पवित्र मुस्लिम तीर्थस्थलो में से एक माना जाता है और यह अजमेर में एक प्रसिद्ध स्थलचिह्न भी है। पर्शिया (ईरान) के सूफी संत ख्वाजा मोइन-उद-दीन चिश्ती यहाँ प्रतिष्ठित हैं। उनकी धर्मनिरपेक्ष शिक्षाओं को ध्यान में रखते हुए, इसके दरवाजे सभी धर्मों और धर्मों के लोगों के लिए खुले हैं। कुछ लोगों का कहना है कि ख्वाजा मोइन-उद-दीन चिश्ती का मानना था कि वह मुहम्मद के सीधे वंशज थे और उन्होंने जनता में अपनी मान्यताओं का प्रचार किया। अपनी विश्व यात्रा के दौरान, मुहम्मद ने उन्हें सपने में भारत आने का आग्रह किया था। वह लाहौर होते हुए अजमेर पहुंचे और 1192 से 1236 ईस्वी में अपनी मृत्यु तक इसे अपना घर बना यही पर रहे।

ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती, जिन्हें "गरीब नवाज" के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म ईरान के सिजिस्तान (आधुनिक सिस्तान) में 1141-42 CE में हुआ था। उन्होंने ईश्वर के साथ एकता के सिद्धांत पर जोर दिया और उनके आदेश भी शांतिवादी थे। उन्होंने सभी भौतिक वस्तुओं को भगवान के चिंतन से विचलित होने के रूप में अस्वीकार कर दिया। मोइनुद्दीन चिश्ती का मकबरा दरगाह परिसर के केंद्र में स्थित है, और यह एक मस्जिद, एक अतिथि गृह और एक पुस्तकालय सहित कई अन्य इमारतों से घिरा हुआ है।

इस संत के सम्मान में इस मंदिर का निर्माण मुगल राजा हुमायूं ने किया था। विशाल चांदी के दरवाजों की एक श्रृंखला के माध्यम से दरगाह के अंदर कदम रखा जा सकता है जो एक आंगन में जाता है जहां संत का मकबरा केंद्रित है। संगमरमर और सोने की परत से बना, वास्तविक मकबरा एक चांदी की रेलिंग और एक संगमरमर के पर्दे से संरक्षित है। अपने शासनकाल के दौरान, सम्राट अकबर हर साल अजमेर की तीर्थयात्रा करते थे। उन्होंने और सम्राट शाहजहां ने दरगाह परिसर में मस्जिदों का निर्माण किया। मंदिर के आगंतुक शांति व शांति के वातावरण से चकित हैं जो फूलों, मिठाइयों और अगरबत्ती जलाने के संयुक्त प्रभाव पैदा करते हैं।

प्रवेश द्वार पर निजाम गेट मंदिर का मुख्य द्वार है जिसके बाद शाह जहानी गेट है। इस द्वार के बाद बुलंद दरवाजा है जिस पर मोइनुद्दीन चिश्ती की पुण्यतिथि के अनुष्ठान की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए 'उर्स' झंडा फहराया जाता है। सूफी संत मोइनुद्दीन चिश्ती के लिए 'उर्स' हर साल रजब के छठे और सातवें दिन मनाया जाता है। पवित्र तीर्थ के प्रति कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में हर दिन लगभग 150,000 तीर्थयात्री दरगाह जाते हैं। दरगाह सर्दियों में तीर्थयात्रियों के लिए सुबह 5 बजे से रात 9 बजे तक खुली रहती है जबकि गर्मियों में सुबह 4 बजे से रात 10 बजे तक खुली रहती है।

अजमेर दरगाह कैसे पहुँचे? अजमेर अच्छी तरह से यातायात के साधनों से जुड़ा हुआ शहर है। यह देश के लगभग कई प्रसिद्ध शहरों से रेल, सड़क या हवाई मार्ग से जुड़ा हुआ है।

https://www.tourism.rajasthan.gov.in/the-ajmer-sharif-dargah

महत्वपुर्ण आयोजन / घटनाएँ

डिजिटल बाराबंदी प्रणाली का उद्घाटन

www.barabandi.in

श्रीगंगानगर के जिला कलेक्टर श्री लोकबंधु ने 29 अप्रैल 2024 को जल संसाधन विभाग, श्री गंगानगर के पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण (एस. सी. ए. डी. ए.) नियंत्रण कक्ष में डिजिटल बाराबंदी प्रणाली का उद्घाटन किया, जिसे एस. आई. ओ. श्री जितेंद्र कुमार वर्मा के तकनीकी मार्गदर्शन में डी. आई. ओ., एन. आई. सी. श्रीगंगानगर, श्री परमजीत सिंह द्वारा विकसित किया गया था। डिजिटल बाराबंदी प्रणाली का उद्घाटन एस. आई. ओ. राजस्थान, श्री जितेंद्र कुमार वर्मा, ए. एस. आई. ओ. श्री प्रसून जैन, मुख्य अभियंता (जल संसाधन) हनुमानगढ़-श्री अमरजीत सिंह मेहरा, अधीक्षक अभियंता श्रीगंगानगर-श्री धीरज चावला और डी. आई. ओ. एन. आई. सी. श्रीगंगानगर श्री परमजीत सिंह की उपस्थिति में किया गया। इससे पहले, उपरोक्त काम जल संसाधन विभाग द्वारा हाथ से किया जाता था और कई बार सिंचाई के पानी के रिसाव को लेकर किसानों और विभाग के बीच दुविधा की स्थिति पैदा हो जाती थी। अब, चूंकि बाराबंदी ऑनलाइन है, इसलिए हर किसान अपने सिंचाई के पानी की सही स्थिति जान पाएगा। इस प्रकार, मैनुअल प्रणाली और पारदर्शिता के साथ नियमों के अनुसार सभी किसानों को सिंचाई के पानी के उचित आवंटन के कारण मानवीय त्रुटि को रोका जा सकता है। एस. आई. ओ. राजस्थान, श्री जितेंद्र कुमार वर्मा, वी. सी. के माध्यम से उद्घाटन में शामिल हुए, उन्होंने लोकसभा चुनावों के दौरान भी ऐसी महत्वपूर्ण पहल करने के लिए जिला कलेक्टर का आभार व्यक्त किया और डिजिटल बारबंदी प्रणाली की तैयारी में महत्वपूर्ण समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान किया, जिसके कारण उपरोक्त प्रणाली को कम समय में सफलतापूर्वक तैयार और लागू किया जा सका।

लोकसभा चुनाव के लिए मतदाता कतार प्रबंधन प्रणाली (वी.क्यू.एम.एस.)

VQMS development team and others with District Election Officer, Udaipur.

मतदान के दिन अक्सर मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी जाती हैं। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारों को रोकने के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण के रूप में, मतदान के दौरान मतदान केंद्र पर कतार में मतदाताओं की संख्या के बारे में जनता को जानकारी प्रदान करने के लिए एन. आई. सी. उदयपुर द्वारा एक वेब एप्लिकेशन "वोटर कतार प्रबंधन प्रणाली" विकसित की गयी। वेब एप्लिकेशन मतदाता को मतदान के दिन घर या कहीं भी बैठे अपने मतदान केंद्र पर कतार में खड़े मतदाताओं की संख्या के बारे में जानकारी प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है। वांछित मतदान केंद्र के साथ संबंधित विधानसभा क्षेत्र का चयन करने के बाद कतार में मतदाताओं की संख्या का पता लगाया जा सकता है। इस प्रकार, कम कतार के समय को देखते हुए, मतदाता आराम से और कम समय में अपना वोट डालने के लिए मतदान केंद्र पर जाने की बेहतर योजना बना सकते हैं। संबंधित मतदान केंद्रों पर कतार में खड़े मतदाताओं की गिनती को बी. एल. ओ. द्वारा वेबसाइट पर 15 मिनट के निश्चित अंतराल पर अपडेट किया गया था, जिसे जनता आसानी से अपने मोबाइल फोन और कंप्यूटर पर देख सकती थी। वी. क्यू. एम. एस. वेब एप्लीकेशन डी. आई. ओ. उदयपुर-श्री मजहर हुसैन द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी उदयपुर, श्री अरविंद पोसवाल और एस. आई. ओ. राजस्थान, श्री जितेंद्र कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में विकसित किया।

कर्मचारी ड्यूटी मॉड्यूल व ऑनलाइन प्रवेश लॉटरी का शुभारंभ

माननीय शिक्षा कैबिनेट मंत्री श्री मदन दिलावर ने 18 जून 2024 को आधिकारिक तौर पर "स्टाफ ड्यूटी मॉनिटरिंग मॉड्यूल" का शुभारंभ किया, जो एन. आई. सी. राजस्थान द्वारा विकसित और कार्यान्वित एक अभूतपूर्व पहल है। इस मॉड्यूल का प्राथमिक उद्देश्य कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना और प्रतिनियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। अब से प्रशिक्षण, खेल, चुनाव कार्य, विज्ञान मेलों आदि के लिए सरकारी स्कूलों से सभी प्रतिनियुक्ति कर्तव्यों का प्रबंधन विशेष रूप से शाला-दर्पण पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान श्री कृष्ण कुणाल (सचिव) और श्री आशीष मोदी (निदेशक) स्कूली शिक्षा के साथ श्री राजेंद्र बिदावत, वैज्ञानिक-'सी' एन. आई. सी. आदि उपस्थित थे। वेबसाइटः https://rajshaladarpan.nic.in/

माध्यमिक शिक्षा निदेशक श्री आशीष मोदी ने 18 जून 2024 को महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों (एम. जी. जी. एस.) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन लॉटरी के परिणामों की घोषणा की। इस प्रक्रिया को शाला दर्पण पर एक विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए मॉड्यूल के माध्यम से सुगम बनाया गया। लॉटरी ने अपने बच्चों के लिए प्रवेश की मांग करने वाले माता-पिता से 80,000 से अधिक ऑनलाइन आवेदन आकर्षित किए व उनकी ऑनलाइन लॉटरी निकली गयी । एम. जी. जी. एस. ऑनलाइन प्रवेश मॉड्यूल, आवेदन प्रक्रिया, स्कूल विकल्पों, पात्रता, लॉटरी प्रणाली, अंतिम चयन और पारदर्शिता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के लिए तैयार किया गया है।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अप्रैल से जून 2024)

महत्वपुर्ण आयोजन / घटनाएँ

एन. टी. ए. परीक्षाओं के लिए स्वतंत्र पर्यवेक्षक के रूप में एन. आई. सी. - डी. आई. ओ. की भूमिका

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एन. टी. ए.) ने पूरे भारत में आयोजित ऑनलाइन परीक्षाओं के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र पर भरोसा किया है। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (डी. आई. ओ.)/अतिरिक्त जिला सूचना विज्ञान अधिकारियों (एडीआईओ) को आईटी पर्यवेक्षकों का बहुत महत्वपूर्ण कर्तव्य सौंपा गया है। एन. आई. सी. - डी. आई. ओ. को देश भर के 91 शहरों के 170 केंद्रों में 29 जून 2024 को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एन. टी. ए.) द्वारा आयोजित आई. सी. ए. आर. प्रवेश परीक्षा (पी. जी. और पी. एच. डी.) के लिए स्वतंत्र पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। नामित एन. आई. सी. अधिकारी को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार आई. टी./तकनीकी पक्ष से की गई आवश्यक तैयारी और व्यवस्था की जांच करने और उन्हे सुनिश्चित करने के लिए निर्दिष्ट परीक्षा केंद्र का दौरा करने का निर्देश दिया गया था। एन. आई. सी. - डी. आई. ओ. ने परीक्षा से एक दिन पहले मॉक ड्रिल में भाग लिया और सुनिश्चित किया कि सब कुछ सुचारू रूप से हो। निर्धारित कार्य अनुसार डी. आई. ओ. द्वारा - परीक्षा पत्र डाउनलोड करने की ऑनलाइन प्रक्रिया, नेटवर्क सुरक्षा, बैच गतिविधि शुरू और बंद करना, परीक्षा की गोपनीयता, आईपी पूल की जांच करना, जैमर का उचित उपयोग और अंत में प्रश्न पत्र को अपलोड करना आदि गतिविधियाँ की गयी है। परीक्षा के दौरान एन. आई. सी. के डी. आई. ओ./ए. डी. आई. ओ. द्वारा एक व्यवस्थित चेकलिस्ट भरने और उसके अनुसार काम करने की आवश्यकता होती है। जिलों और राज्यों के ए. एस. आई. ओ. ने उन जिलों में अतिरिक्त श्रमशक्ति की सुविधा उपलब्ध करवाई जहां एक से अधिक परीक्षा केंद्र मौजूद थे या परीक्षा केंद्र के लिए जहां प्रति पारी 250 से अधिक उम्मीदवार थे । ए. एस. आई. ओ. द्वारा एस. आई. ओ., राजस्थान को आवश्यक प्रारूपों में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के साथ मॉक ड्रिल और परीक्षा की बारीकी से निगरानी की गई। अंत में, एस. आई. ओ. राजस्थान ने डी. जी. एन. आई. सी. को रिपोर्ट प्रस्तुत की।

माननीय प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान तकनीकी सहायता

बाड़मेर (12/04/2024)

बांसवाडा (21/04/2024)

भीनमाल, जालोर (21/04/2024)

उनियारा, टोंक (23/04/2024)

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के दौरान राजस्थान के विभिन्न जिलों का दौरा किया। संबंधित जिले के सभी जिला सूचना विज्ञान अधिकारियों (डी. आई. ओ.) ने एस. पी. जी. द्वारा आयोजित ए. एस. एल. बैठक में भाग लिया और मानदंडों व निर्देशों के अनुसार अस्थायी प्रधानमंत्री कार्यालय (पी. एम. ओ.) की स्थापना के लिए आवश्यक तैयारी की। जिला डीओआईटी टीम के सहयोग से निर्दिष्ट स्थान पर अस्थायी पीएमओ की स्थापना की गई। बाड़मेर, बांसवाड़ा, जालौर और टोंक के एन. आई. सी. - डी. आई. ओ. द्वारा माननीय प्रधानमंत्री की यात्रा से एक दिन पहले प्रधानमंत्री कार्यालय की स्थापना की गई। यात्रा के दौरान डी. आई. ओ. की भूमिका में बी. एस. एन. एल. द्वारा प्रदान की गई इंटरनेट और वाई-फाई कनेक्टिविटी के परीक्षण के साथ-साथ फैक्स मशीन, कंप्यूटर सिस्टम, प्रिंटर, रंगीन प्रिंटर, स्कैनर, फोटोकॉपीयर और श्रेडर मशीन आदि के परीक्षण के साथ-साथ आवश्यक तैयारी शामिल है। संबंधित डी. आई. ओ. ने माननीय प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों को सफलतापूर्वक तकनीकी सहायता प्रदान की। इसके अलावा, एस. पी. जी. अधिकारियों ने यात्रा के दौरान एन. आई. सी. की भूमिका की सराहना की।

आई. वी. एफ. आर. टी. परियोजना के तहत जिला पुलिस अधिकारियों की क्षमता निर्माण

एन. आई. सी. राजस्थान ने आप्रवासन, वीजा, विदेशी पंजीकरण और अनुरेखण प्रणाली (आई. वी. एफ. आर. टी.) परियोजना पर 19 से 21 जून 2024 तक गृह विभाग (राजस्थान सरकार) के सहयोग से 3 दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। खुफिया प्रशिक्षण अकादमी, जयपुर में गृह विभाग, राज्य विशेष शाखा (पुलिस मुख्यालय) सहित 58 विदेशी पंजीकरण कार्यालयों (एफ. आर. ओ.) और राजस्थान के 17 नवनिर्मित जिलों को प्रशिक्षण दिया गया। श्रीमती अनुप्रेरणा सिंह कुंतल, आई. ए. एस. (विशेष सचिव - गृह) ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। सत्र के दौरान उप सचिव गृह श्री राजेश जैन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यशोधना पाल सिंह भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण में विभिन्न जिलों के कुल 125 अधिकारियों ने भाग लिया। विशेष सचिव ने सभी एफ. आर. ओ कार्यालयों को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए एन. आई. सी. राजस्थान के प्रयासों की सराहना की। श्री अनिल पाराशर, आई. वी. एफ. आर. टी. राज्य समन्वयक और निदेशक (आई. टी.), एन. आई. सी. द्वारा वी. पी. एन. टोकन प्रबंधन, एफ. आर. ओ. अनुप्रयोग, सी-फॉर्म और एस-फॉर्म पर प्रस्तुतिकरण और लाइव डेमो दिया गया। इसके अलावा, प्रतिभागियों को इसके अधिकार क्षेत्र में विदेशी नागरिकों के लिए पंजीकरण, वीजा रूपांतरण/विस्तार, एन. ओ. आर. आई., पासपोर्ट परिवर्तन आदि जैसी विभिन्न सेवाओं से परिचित कराया गया। एन. आई. सी. के निदेशक (आई. टी.) श्री अरविंद शर्मा ने विदेशियों पर नज़र रखने के लिए जिला पुलिस मॉड्यूल (डी. पी. एम.) और विदेशी पहचान पोर्टल (एफ. आई. पी.) के महत्व के बारे में बताया जो तेजी से राष्ट्रीयता सत्यापन और बाद में निर्वासन की सुविधा प्रदान करता है और रोहिंग्याओं व बांग्लादेशी अवैध प्रवासियों के लिए पारदर्शिता सुनिश्चित करता है।

संसदीय चुनाव 2024 में एन. आई. सी. जिला अधिकारियों की भूमिका

जिलो में एन. आई. सी. के सभी अधिकारियों ने संसदीय चुनाव 2024 के दौरान नोडल अधिकारी (चुनाव आईटी अनुप्रयोग) के साथ-साथ अतिरक्त नोडल अधिकारी मतदान और गणना दल प्रकोष्ठ के रूप में अपनी भूमिका सफलतापूर्वक निभाई है। नोडल अधिकारी मतदान और गणना दल प्रकोष्ठ, एन. आई. सी. चुनाव प्रबंधन प्रणाली (ई. एम. एस.) का उपयोग 3 चरणों में यादच्छिक प्रदर्शन करने के लिए किया जाता है जिसमें प्रशिक्षण के लिए कर्मचारी चयन, एसी-वार मतदान दल का निर्माण और मतदान दलों को मतदान केंद्र का आवंटन के साथ-साथ प्रशिक्षण आदेश, उपस्थिति, ऑन-ड्यूटी प्रमाण पत्र, चेकलिस्ट और अन्य आवश्यक रिपोर्टों के साथ पार्टी को पूरा करना शामिल है।

इसी तरह - मतगणना प्रशिक्षण, मतगणना दल के निर्माण और मतगणना दलों को मतगणना मेज के आवंटन के साथ-साथ मतगणना से संबंधित प्रशिक्षण आदेश, उपस्थिति आदि के लिए यादच्छिककरण किया जाता है। निर्वाचन आयोग पर्यवेक्षक, जिला निर्वाचन अधिकारी (डी. ई. ओ.), डिप्टी कलेक्टर व और अन्य वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति में ई. वी. एम. यादच्छिककरण सहित सभी यादच्छिककरण किए गए। एक नोडल अधिकारी (चुनाव आई. टी. अनुप्रयोग) के रूप में-विभिन्न चुनाव आई. टी. अनुप्रयोग जैसे-एन. आई. सी. - ई. एम. एस., ई. वी. एम. प्रबंधन प्रणाली, एनकोर, ई. टी. पी. बी. एम. एस., सी-विजिल, ई. एस. एम. एस., एन. जी. आर. एस. पोर्टल, पोस्टल बडी का परीक्षण किया गया और विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के आई. टी. प्रकोष्ठ को उचित प्रशिक्षण के साथ लागू किया गया। इसके अलावा, गणना के दिन चुनाव परिणाम के सफल प्रसारण के साथ प्रत्येक गणना कक्ष में गणना केंद्र पर नेटवर्किंग के साथ मुख्य और बैकअप लीज लाइन लागू की गई।

साइबर सुरक्षा सलाह

सॉफ्टवेयर को नियमित रूप से पैच करना

हैकर्स लगातार नेटवर्क, सॉफ्टवेयर और डेटा स्ट्रीम में प्रवेश करने के तरीकों की तलाश करते हैं। जब वे सफल होते हैं, तो डेवलपर्स तब हैकर्स द्वारा शोषण की गई भेद्यता को ठीक करने के लिए "पैच" नामक एक अद्यतन तैयार कर उपयोगकर्ता को भेजते है ताकि हैकर्स इसे फिर से उपयोग न कर सकें।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अप्रैल से जून 2024)

त्रेमसिक प्रोजेक्ट : ई-ग्रास

https://egras.rajasthan.gov.in/

इलेक्ट्रॉनिक सरकारी रसीद लेखा प्रणाली (ई-ग्रास) एक वेब आधारित प्रणाली है जो सरकारी खाते में इलेक्ट्रॉनिक भुगतान और वास्तविक समय के आधार पर खातों के मिलान की सुविधा प्रदान करती है। ऑनलाइन भुगतान को सक्षम करने के लिए यह एप्लिकेशन अपनी वेबसाइट पर चालान (ई-चालान) भरने और भाग लेने वाले बैंकों की इंटरनेट बैंकिंग सुविधाओं का उपयोग करके ऑनलाइन भुगतान करने की सुविधा प्रदान करती है। वाणिज्यिक कर, खान और भूविज्ञान, परिवहन, ई-मित्र और उत्पाद शुल्क विभाग सहित अन्य विभागों के साथ ई-ग्राम प्रणाली का एकीकरण किया गया है। ई-कोषागार की स्थापना के माध्यम से महालेखाकार कार्यालय में इलेक्ट्रॉनिक खाता जमा करने के लिए राज्य सरकार की सुविधा के लिए ई-ग्रास प्रणाली को बढ़ाया गया है। वर्तमान में 45 बैंक इंटरनेट बैंकिंग या "एस. बी. आई.-ई. पे." और "पी. एन. बी.-पे. यू." के भुगतान गेटवे द्वारा इस प्रणाली से जुड़े हुए हैं। ई-ग्रास एप्लिकेशन को राजस्व अर्जित करने वाले विभागों के साथ एकीकृत किया गया है ताकि ई-ग्रास साइट इन विभागों के लिए भुगतान गेटवे के रूप में भी काम कर सके। ई-ग्रास न केवल इलेक्ट्रॉनिक भुगतान की सुविधा प्रदान करता है, बल्कि मैनुअल चालान भी तैयार करता है ताकि इसे हाथों से बैंकों में जमा किया जा सके। विभाग प्रेषकों को सेवाएं प्रदान करने के बाद चालान को विकृत करने के लिए ई-ग्रास प्रणाली का भी उपयोग कर रहे हैं। यह बड़ी मात्रा में लेन-देन को संभालता है जिसमें 60,000 करोड़ रुपये से अधिक की इलेक्ट्रॉनिक प्राप्तिय शामिल हैं व सालाना 50 लाख से ज्यादा लेनदेन होता है। हाल ही में ई-ग्रास प्रणाली में क्यू. आर. कोड आधारित भुगतान सुविधा को भी शामिल किया गया है ताकि प्रेषकों और करदाताओं द्वारा त्वरित भुगतान सुविधा का लाभ उठाया जा सके।

विशेषताएँ

- सरकारी खाते में 24 घंटे कर और गैर-कर राजस्व भेजने की सुविधा।
- भाग लेने वाले बैंकों के ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से राशि भेजने की सुविधा।
- वेबसाइट पर ई-चालान बनाने और प्रिंट करने की सुविधा।
- बार-बार व्यक्तिगत डेटा दर्ज करने से बचने के लिए उपयोगकर्ता के रूप में पंजीकरण करने की सुविधा।
- भुगतान के ऐतिहासिक अभिलेखों को संग्रहीत करने और किसी भी समय उन्हें फिर से देखने/फिर से छापने की सुविधा।
- भौतिक खाली चालान और अनुकूलित चालान उत्पन्न करने की सुविधा, जिसका भुगतान नकद और चेक द्वारा बैंकों में हाथ से किया जा सकता है।
- भाग लेने वाले बैंकों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक फाइलों (पूर्व-प्रारूपित) के माध्यम से स्क्रॉल अपलोड करना।
- चालान स्क्रॉल और प्रेषण स्क्रॉल का इलेक्ट्रॉनिक रूप से मिलान।

प्रौद्योगिकी

अनुप्रयोग: Dot net with C#, **डाटाबेस:** MS SQL Server 2014, **वेब सर्वर:** IIS

स्टेकहॉल्डर

- वित्त विभाग
- सभी सरकारी विभाग
- सभी कार्यालय
- कोषागार और उप कोषागार
- बैंक शाखाएँ
- ए. जी. कार्यालय
- सभी प्रेषक और करदाता (नागरिक)

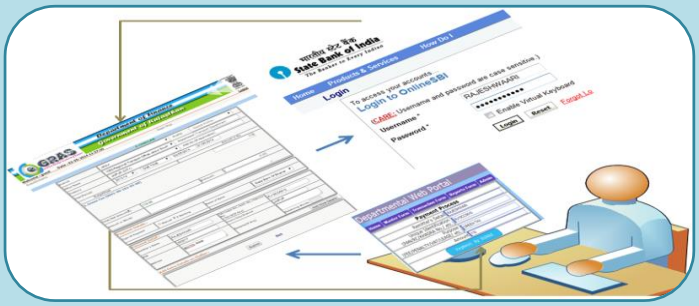

विकास के लिए सूचना और संचार प्रोद्योगिकी का अभिनव उपयोग

इस पहल को लागू करने से पहले, विभिन्न प्रारूपों में हाथ से लिखे चालान काम के दौरान बैंक में जमा किए जा रहे थे। अब परिदृश्य बदल गया है और अनुप्रयोग ने सेवाओं की गुणवत्ता, विभाग की दक्षता और अंतिम उपयोगकर्ता की सहजता में निम्नलिखित तरीके से सुधार किया है। ***एकल चालान प्रारूप*** - इस परियोजना के कार्यान्वयन से पहले, विभिन्न विभागों में चालान के विभिन्न रूपों का उपयोग किया जा रहा था। चालान प्रारूपों को संशोधित किया गया है और एक सामान्य प्रारूप तैयार किया गया है जो प्रत्येक विभाग को स्वीकार्य है। यह प्रणाली अद्वितीय चालान प्रारूप के उत्पादन और मुद्रण की सुविधा प्रदान करती है। ***इलेक्ट्रॉनिक भुगतान*** - इस परियोजना की शुरुआत के साथ, प्रत्येक विभाग के लिए इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सुविधा का विस्तार किया गया है। ई-ग्रास सभी राजस्व अर्जित करने वाले विभागों के लिए सामान्य सॉफ्टवेयर की सुविधा प्रदान करता है जिसके द्वारा कोई भी करदाता/नागरिक इलेक्ट्रॉनिक रूप से सरकारी खाते में धन जमा कर सकता है। ***हस्तचालित भुगतान*** - ई-ग्रास चालानों को बैंक में हस्तचालित रूप से जमा करने की सुविधा भी प्रदान करता है। 1 अगस्त, 2014 से केवल किसी भी राशि के लिए ई-ग्रास साइट से चालान प्रिंट करना अनिवार्य है व बैंकों द्वारा कोई हाथ से लिखे चालान स्वीकार नहीं किए जा रहा हैं। प्रेषक - ई-ग्रास साइट से निकल ने वाले चालान को देश भर में एस. बी. आई., पी. एन. बी. और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा में जमा कर सकते हैं। ***भुगतान गेटवे के रूप में उपयोग*** ई-ग्रास को विभिन्न विभागों के साथ एकीकृत किया जा रहा है ताकि इसका उपयोग भुगतान गेटवे के रूप में किया जा सके और विभिन्न विभागों को बैंकों के साथ अपनी प्रणाली को एकीकृत करने की आवश्यकता नहीं होगी। ई-ग्रास इन विभागों के लिए भुगतान गेटवे के रूप में कार्य करेगा। ***ई-ट्रेजरी*** एजी कार्यालय द्वारा इलेक्ट्रॉनिक खातों को जमा करने और मिलान करने की सुविधा के लिए राज्य में एक ई-ट्रेजरी की स्थापना की गई है।

जिला एन. आई. सी. अधिकारियों द्वारा प्राप्त पुरस्कारों पर एक नजर

Shri Somendra Poonia, DIO Sikar

Shri Sanjay Ramdeo, DIO Jalore

Shri Paramjeet Singh, DIO Sri Ganganagar

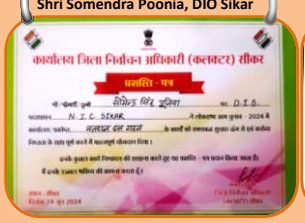

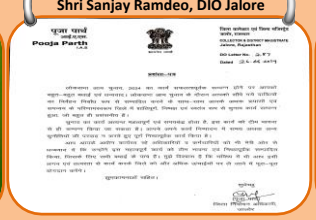

संबंधित जिला NIC अधिकारियों की भूमिका को लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान नोडल अधिकारी (आई. टी.) और अतिरिक्त नोडल अधिकारी-मतदान और गणना दल के रूप में उनके योगदान को मान्यता दी गई और उनकी सराहना की गई।

परियोजना लेन-देन सांख्यिकी

SN	Project	Number of Transactions			Total Trans.
		Apr 24	May 24	June 24	
1	DBT through Pay Manager	12566832	19450270	16553355	48570457
2	DILRMP ROR	3297562	5722965	6794921	15815448
3	Shala Darpan (Students)	827542	765100	598713	2191355
4	IFMS - Rajkosh Challans	1040780	1267181	1167579	3475540
5	eGras	873782	1088328	1007432	2969542
6	IFMS - Rajkosh Bills	477411	459358	313615	1250384
7	Pay Manager Other Bills	251320	236033	177798	665151
8	Right to education (Students)	1554212	591009	6108867	8254088
9	Registration and Stamps	149382	243634	213679	606695
10	Shala Darpan (School/Teachers)	95214	87652	285411	468277
11	E-Transport Vehicle Registration	16984	125331	113058	255373
12	E-Transport Driving License	46158	60255	56011	162424

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN

त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अप्रैल से जून 2024)

प्रौद्योगिकी वार्ताः डिजिटल मार्केटिंग (विपणन) की मूल बातें

श्री हेमंत मेहता
वैज्ञानिक 'ई' व डी.आई.ओ. बांसवाडा

डिजिटल मार्केटिंग उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए इंटरनेट और ऑनलाइन-आधारित डिजिटल तकनीकों जैसे डेस्कटॉप कंप्यूटर, मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल मीडिया और प्लेटफार्मों का उपयोग करता है। डिजिटल मार्केटिंग में पारंपरिक मार्केटिंग के समान सिद्धांत शामिल हैं और यह कंपनियों के लिए उपभोक्ताओं से संपर्क करने और उनके व्यवहार को समझने का एक अतिरिक्त तरीका है। कंपनियाँ अक्सर अपनी रणनीतियों में पारंपरिक और डिजिटल विपणन तकनीकों को जोड़ती हैं। 1990 के दशक में इंटरनेट को व्यापक रूप से अपनाने के साथ डिजिटल विपणन लोकप्रिय होने लगा। डिजिटल विपणक के पास अपने अभियानों की प्रभावशीलता को मापने के लिए कई उपकरण हैं। एक समय प्रिंट, टेलीविजन और रेडियो के माध्यम से विपणन पर ध्यान केंद्रित करने वाली कंपनियां, आज उपभोक्ताओं तक पहुंचने के लिए इंटरनेट या डिजिटल विपणन का उपयोग करती हैं।

डिजिटल मार्केटिंग कैसे काम करता है? डिजिटल मार्केटिंग में तकनीकों और मीडिया की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है जिसका उपयोग कंपनियां संभावित उपभोक्ताओं को अपने उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने और अपनी बाजार हिस्सेदारी में सुधार करने के लिए करती हैं। पेशेवर विपणक इन कार्यों को या तो व्यक्तिगत कंपनियों में आंतरिक रूप से या बाहरी रूप से विपणन फर्मों में लेते हैं जो कई अलग-अलग ग्राहकों की सेवा कर सकते हैं। नई तकनीकें और रुझान, कंपनियों को अपनी विपणन रणनीतियों को बदलने और अपने बजट पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर करते हैं। डिजिटल मार्केटिंग के शुरुआती दिनों में ईमेल एक लोकप्रिय विपणन उपकरण बन गया। फिर ध्यान नेटस्केप जैसे खोज इंजनों पर स्थानांतरित हो गया, जिसने व्यवसायों को खुद को नोटिस करवाने के लिए वस्तुओं के मुख्य शब्द को टैग करने की अनुमति दी। फेसबुक जैसे सामाजिक मंचों के विकास ने कंपनियों के लिए उपयोगकर्ता डेटा को ट्रैक करना और अपने संदेशों को बहुत विशिष्ट दर्शकों तक पहुंचाना संभव बना दिया। स्मार्टफोन और अन्य पोर्टेबल उपकरण कंपनियों के लिए उपभोक्ताओं को अपने उत्पादों और सेवाओं का विपणन करना आसान बनाते हैं। आज मोबाइल का उपयोग करके ई-कॉमर्स कंपनियों के माध्यम से ऑनलाइन खरीदारी करने का चलन है।

डिजिटल विपणन चैनलों के प्रकार डिजिटल मार्केटिंग व विज्ञापन चैनल विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और तरीके हैं जिनका उपयोग व्यवसायी, उपभोक्ताओं को अपने उत्पादों, सेवाओं या ब्रांडों को बढ़ावा देने के लिए करते हैं। उन चैनलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न चैनलों का परीक्षण और माप करने की आवश्यकता है जो आपके विशिष्ट व्यवसाय, दर्शकों और बजट के लिए सबसे अच्छा काम करते हैं। विभिन्न डिजिटल विपणन चैनलों पर नीचे चर्चा की गई है।

1. वेबसाइट- एक वेबसाइट एक व्यवसाय या ब्रांड को ऑनलाइन दर्शाता है। यह वह जगह है जहाँ आप संभावित ग्राहकों को अपने उत्पादों, सेवाओं, मूल्यों, व्यक्तित्व आदि का प्रदर्शन कर सकते हैं और दर्शकों को आकर्षित कर सकते हैं, संलग्न कर सकते हैं और परिवर्तित कर सकते हैं।

2. खोज इंजन अनुकूलन (एस. ई. ओ.)- एस.ई.ओ. खोज इंजनों में साइट की दृश्यता में सुधार की प्रक्रिया है। यह आपको लक्षित दर्शकों तक पहुंचने में मदद करता है, जब वे आपके द्वारा दिए गए उत्पादों या सेवाओं की तलाश कर रहे होते हैं। यह आपके उत्पाद से संबंधित ऑर्गेनिक (अवैतनिक) ट्रैफिक, लीड और बिक्री के संबंध में आपकी मदद कर सकता है।

3. सामग्री विपणन- सामग्री विपणन एक विशिष्ट दर्शकों को आकर्षित करने और बनाए रखने के लिए मूल्यवान, प्रासंगिक और आकर्षक सामग्री बनाता है और साझा करता है। इसमें ब्लॉग पोस्ट, ई-बुक, इन्फोग्राफिक्स, वीडियो और पॉडकास्ट जैसे विभिन्न प्रारूप शामिल हो सकते हैं। इसका लक्ष्य संभावित ग्राहकों को शिक्षित करना, सूचित करना, मनोरंजन करना या प्रेरित करना और उन्हें आपके उत्पाद को खरीदने, अपने समाचार पत्र की सदस्यता लेने, सोशल मीडिया पर आपको फॉलो करने आदि जैसी कार्रवाई करने के लिए राजी करना है।

4. सोशल मीडिया मार्केटिंग- आपके ब्रांड, उत्पादों या सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर), इंस्टाग्राम और लिंक्डइन जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करता है। सोशल मीडिया का उपयोग करके लाखों संभावित ग्राहकों तक पहुंचने में मदद करता है। कोई भी लक्षित दर्शकों के साथ जुड़ सकता है और बातचीत कर विश्वास और निष्ठा का निर्माण कर सकता है, प्रतियोगियों से सीख सकता है आदि।

5. ईमेल विपणन- ईमेल के माध्यम से दर्शकों को लक्षित संदेश भेजना शामिल है और यह आपको व्यक्तिगत, समय पर और किफायती तरीके से ग्राहकों और संभावनाओं से जुड़ने देता है।

6. भुगतान विज्ञापन- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर लक्षित दर्शकों को विज्ञापनों का प्रदर्शन करने के लिए भुगतान करना शामिल है। कंपनियां विज्ञापनों को खोज परिणाम पृष्ठ पर पहले दिखाई देने के लिए भुगतान करती हैं, और प्रत्येक विज्ञापन के ऊपर एक "प्रायोजित" टैग होता है। प्रभावी भुगतान विज्ञापन मॉडल "पे-पर-क्लिक" और "कॉस्ट पर इम्प्रेशन" हैं। कंपनियाँ प्रत्येक क्लिक या विज्ञापन देखने के लिए भुगतान करती हैं।

7. वीडियो विपणन- आपके ब्रांड, उत्पाद या सेवा को बढ़ावा देने के लिए वीडियो का उपयोग करता है। यह आपको ग्राहकों को शिक्षित करने, जोड़ने और उनकी सोच को बदलने आदि में मदद कर सकता है। यह बहु-संवेदी है; भावनात्मक रूप से ध्यान आकर्षित कर सकता है या जानकारी को बेहतर तरीके से व्यक्त कर सकता है। यूट्यूब पर नए उत्पादों की शुरुआत को दस लाख से अधिक बार देखा गया है।

8. रेफरल मार्केटिंग- मौजूदा ग्राहकों को अपने दोस्तों, परिवार या संपर्कों को उत्पादों या सेवाओं की सिफारिश करने और सफल रेफरल के लिए मौद्रिक पुरस्कार देने के लिए प्रोत्साहित करता है। रेफरल मार्केटिंग मुँह के शब्द और विश्वास का पूँजीकरण करते है व विश्वसनीयता और ग्राहक वफादारी को बढ़ाते हुए खुश ग्राहकों को ब्रांड एंबेसडर में परिवर्तित करते है।

9. एफिलिएट मार्केटिंग- यह तब होता है जब आप अन्य वेबसाइटों, प्रभावकों या सामग्री निर्माताओं के साथ सहयोग करते हैं और उन्हें आपके लिए उत्पन्न होने वाली प्रत्येक बिक्री या कार्रवाई के लिए एक कमीशन का भुगतान करते हैं। यह एक जीत-जीत की स्थिति है। आपको अधिक एक्सपोजर, ट्रैफिक और बिक्री मिलती है।

10. इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग- यह तब होता है जब आप अपने उत्पादों या सेवाओं को अनुयायियों तक पहुँचाने के लिए लोकप्रिय सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के साथ मिलकर काम करते हैं। यह आपके ब्रांड को बड़े पैमाने पर दर्शकों के सामने लाने का एक शक्तिशाली तरीका है, जो आपकी पेशकश में रुचि रखते हैं।

प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (के. पी. आई.) के. पी. आई. डिजिटल विपणनकर्ताओं को विपणन पहलों के दीर्घकालिक प्रदर्शन को मापने और प्रतिस्पर्धियों के प्रयासों के साथ इसकी तुलना करने देता है। **1. क्लिक-थ्रू दर** किसी विशेष विज्ञापन पर क्लिक करने वाले लोगों की संख्या की गणना करके ऑनलाइन विज्ञापन की प्रभावशीलता को मापती है। **2. रूपांतरण दर** उन लोगों के प्रतिशत की तुलना करती है जिन्होंने कुछ वांछित कार्रवाई की, जैसे कि खरीदारी करना, कुल दर्शकों के लिए जो एक विशेष विज्ञापन या प्रचार तक पहुंचे। **3. सोशल मीडिया ट्रैफिक** ट्रैक करता है कि कितने लोग किसी कंपनी के सोशल मीडिया प्रोफाइल के साथ बातचीत करते हैं। इसमें पसंद, फॉलो, विचार, शेयर और अन्य मापने योग्य क्रियाएँ शामिल हैं। **4. वेबसाइट ट्रैफिक** ट्रैक करता है कि किसी दिए गए समय अवधि के दौरान कितने लोग कंपनी की वेबसाइट पर जाते हैं। के. पी. आई. कंपनियों को यह तय करने में मदद करते हैं कि उनके विपणन प्रयास उपभोक्ताओं को उनकी साइट पर ले जाने में कितने प्रभावी हैं।

डिजिटल विपणन चुनौती (डी. एम. सी.) डिजिटल मार्केटिंग चैलेंज (डी. एम. सी.) में डिजिटल चैनलों का तेजी से प्रसार शामिल है जिन्हें विपणक को जारी रख, यह पता लगाना होता है कि उनका प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जाए। विपणक के लिए इन प्लेटफार्मों के माध्यम से प्राप्त भारी मात्रा में डेटा का विश्लेषण करना और उत्पादक उपयोग करना चुनौतीपूर्ण लगता है। डिजिटल विपणक के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि डिजिटल विज्ञापनों और अन्य विकर्षणों से भरी दुनिया में खुद को कैसे अलग किया जाए।

Published By

संरक्षक
श्री जे. के. वर्मा, एस. आई. ओ. राजस्थान

Editorial Board

श्री मुकेश कुमार झा, वैज्ञानिक-'एफ'
श्री अमित अग्रवाल वैज्ञानिक-'एफ'
श्री दिलीप जैन, वैज्ञानिक-'ई'
श्री अनिल कुमार भाल, वैज्ञानिक-'ई'
श्री प्रेम शंकर चौबीसा, वैज्ञानिक-'ई'
श्री हेमंत मेहता, वैज्ञानिक-'ई'

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
राजस्थान राज्य केंद्र
8318, उत्तर-पश्चिम खंड
सरकारी सचिवालय,
सी-स्कीम, जयपुर, 302005
0141-2227992
ईमेलः sioraj@nic.in
वेबसाइटः https://raj.nic.in

सेवानिवृत्त अधिकारियो के कार्यकाल एवं योगदान पर एक नज़र

डॉ. सुरेश चंद गुप्ता
(वैज्ञानिक 'एफ')
जन्म तिथिः 01-07-1964
नियुक्ति तिथिः 30-11-1993
सेवानिवृत्ति की तिथिः 30-06-2024

शिक्षाः एम. एससी., एमफिल, पीएचडी
नियुक्ति पदः वैज्ञानिक-'बी'
नियुक्ति स्थानः जयपुर
सेवानिवृत्ति स्थानः जयपुर
पुरस्कारः स्वतंत्रता दिवस पर राज्य स्तरीय पुरस्कार
परियोजनाएं : तकनीकी भंडार, खाद्य और नागरिक
आपूर्ति सेवा अवधिः 30 वर्ष और 6 महीने

डॉ. बसंती लाल पितलिया
(वैज्ञानिक 'ई')
जन्म तिथिः 01-05-1964
नियुक्ति तिथिः 15-01-1990
सेवानिवृत्ति की तिथिः 30-4-2024

शिक्षाः एमएससी, पीएचडी
नियुक्ति पदः एस. टी. ए.-'ए'
नियुक्ति स्थानः बालाघाट, मंदसौर, जालौर और डूंगरपुर।
सेवानिवृत्ति स्थानः डूंगरपुर
पुरस्कारः जिला स्तरीय पुरस्कार
परियोजनाएंः जिला स्तरीय सेवा अवधि में सभी परियोजनाएं
आपूर्ति सेवा अवधिः 34 वर्ष और 4 महीने

श्री भंवर सिंह चौहान
(वैज्ञानिक 'एफ')
जन्म तिथिः 25-05-1964
नियुक्ति तिथिः 29-06-1987
सेवानिवृत्ति की तिथिः 31-05-2024

शिक्षाः एम. एससी., एमटेक
नियुक्ति पदः एस. टी. ए.-'ए'
नियुक्ति स्थानः प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय ई. आई. बी., प्रधानमंत्री कार्यालय और जयपुर।
सेवानिवृत्ति स्थानः जयपुर
परियोजनाएंः पीएचईडी, डी. ई. एस., परिवहन और आर. डी.
आपूर्ति सेवा अवधिः 37 वर्ष और 11 महीने

श्री विपिन कुमार मित्तल
(वैज्ञानिक 'एफ')
जन्म तिथिः 01-07-1964
नियुक्ति तिथिः 11-10-1988
सेवानिवृत्ति की तिथिः 30-06-2024

शिक्षाः पीजीडीसीए और एमएससी
नियुक्ति पदः एस. टी. ए.-'ए'
नियुक्ति स्थानः चंडीगढ़ और जयपुर
सेवानिवृत्ति स्थानः जयपुर
परियोजनाएंः प्रशिक्षण प्रभाग और अन्य आई. टी. परियोजना
आपूर्ति सेवा अवधिः 35 वर्ष और 8 महीने

हम भाग्यशाली हैं कि हमें अपने कार्यकाल के दौरान, उन क्षेत्रों में नए विचारों का पता लगाने और विकसित करने के कई अवसर मिले हैं जो वास्तव में हमारी रुचि रही हैं। हम अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए मिली स्वतंत्रता और समर्थन के लिए आभारी हैं। हमारे पूरे कार्यकाल के दौरान, कई व्यक्तियों ने - पेशेवर व व्यक्तिगत रूप से सहायता की। हम उन्हें अपना हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करते हैं व राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के उज्वल भविष्य की कामना करते है। ~ उपरोक्त अधिकारियों का संदेश